सौराष्ट्र विश्वविद्यालय,
राजकोट (गुजरात)–३६०००५

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – २०२० स्नातक (हिन्दी) पाठ्यक्रम

जून – २०२३ से स्वीकृत

Scanned by Camera Scanner

पाठ्यक्रम उपलब्धियाँ (Programme Outcomes -POs):

POs 1. छात्रों में शिक्षा के मूलभूत उद्देश्यों की स्थापना करना ।

POs 2. छात्रों का सर्वांगीण विकास करना ।

POs 3. छात्रगण की आंतरिक प्रतिभा या वैयक्तिक क्षमताओं का विकास करना ।

POs 4. छात्रों को लोकतांत्रिक एवं राष्ट्रीय व्यवस्था में सम्मिलित करके उनमें नागरिकत्त्व के गुण विकसित करना ।

POs 5. छात्रों में पाठ्यक्रम के सैद्धांतिक उद्देश्यों को स्थापित करके व्यावहारिक उद्देश्यों के साथ सामंजस्य प्रस्थापित करना।

POs 6. छात्रों में राष्ट्रीय भावना उजागर करना।

POs 7. इतिहास प्रसिद्ध भारतीय राजा-महाराजाओं की वीरता, धीरता एवं शौर्य को प्रदर्शित करना।

POs 8. भारतीय नाथों, सिद्धों, जैनों की अलौकिक दिव्य दृष्टि को एवं ज्ञान की उँचाई को छात्रों के सामने पेश करना।

POs 9. स्थानीय बोली से प्रभावित छात्रों की उच्चारण संबंधी गलतियों को दुरस्त करना।

POs 10. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा छात्र-गण वैश्विक महिला आंदोलनों, संगठनों और विचारधारा का परिचय प्राप्त करें।

POs 11. छात्र-गण तुलनात्मक साहित्य द्वारा भारतीय एवं पाश्चात्य संस्कृति की जानकारी प्राप्त करें।

POs 12. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा प्रादेशिक स्तर के छात्र-गण भारतीय एवं पाश्चात्य नारी-वैचारिकता से परिचित हो।

POs 13. तुलसी की समन्वय भावना एवं राम का लोकनायक रूप राष्ट्रवादी चेतना को जगाने में सहायक हैं।

POs 14. हिन्दी उपन्यास की विकास यात्रा में विविध समस्याओं को उठाया गया है जो राष्ट्रीय स्तर पर समाधान दे सकती है।

POs 15. भारत देश की विविध भाषाओं के बीच संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी भाषा का महत्त्व निर्धारित होता है।

POs 16. दलित वर्ग की समस्याओं को समझें और समाधान तक गति करें।

POs 17. विविध सामाजिक, नारीगत, आर्थिक, राजनीतिक समस्याओं को समाधान की ओर ले जाता है।

POs 18. भारतीय पौराणिक चरित्रों के माध्यम से भारतीय सामाजिक, राजनीतिक, चेतना उजागर होती है।

POs 19. विविध गद्य रचनाओं के माध्यम से नारी, दलित, आधुनिकता से संबंधित समस्याओं का निरूपण किया गया है।

POs 20. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से गुजराती भाषा में व्यक्त राष्ट्रीय अस्मिता उजागर होती है।

POs 21. भारतीय शिल्पकारों की सामाजिक जागृति एवं राष्ट्रीयता में योगदान की स्थापना होती है।

POs 22. पाश्चात्य काव्यशास्त्र द्वारा पश्चिमी सभ्यता, संस्कृति को जाने।

POs 23. आदिवासी समाज एवं उसके परिवेश से परिचित हों। उनके विकास की दिशा में ठोस कदम उठायें जा सके।

POs 24. छात्र-गण भारतीय लोक संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करें।

पाठ्यक्रम विशिष्ट उपलब्धियाँ (Programme Specific Outcomes- PSOs):

PSOs 1. हिन्दी भाषा साहित्य की पढ़ाई से छात्रों में समन्वयवादी दृष्टिकोण की स्थापना करना।

PSOs 2. भारतीय पौराणिक एवं ऐतिहासिक राष्ट्रीय अस्मिता को उजागर करना ।

PSOs 3. हिन्दी अध्यापन के द्वारा छात्रों में मानवीय संवेदना स्थापित करना ।

PSOs 4. एक राष्ट्र, एक समाज एवं विश्व-बंधुत्व की भावना स्थापना करना ।

PSOs 5. बदलती भाषा-नीतियों का अध्ययन करने भाषागत-अस्मिता को सुरक्षित करना ।

PSOs 6. प्रादेशिक भाषा को महत्त्व देकर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं के अंतर्सम्बन्ध को जानना ।

PSOs 7. छात्रों को भाषा-कौशल के माध्यम से रोजगार प्राप्त करना ।

PSOs 8. भारतीय मूल्यों की रक्षा करना ।

PSOs 9. भारतीय सांस्कृतिक विरासतों की सुरक्षा करना ।

PSOs10. हिन्दी भाषा-साहित्य के माध्यम से छात्रों में सृजनात्मक प्रतिभा का विकास होता है।

PSOs11. हिन्दी पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्रों में स्व-शिक्षण एवं स्वयं की क्षमता का विकास करना ।

Scanned by Camera Scanner

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – २०२०

कला संकाय स्नातक पाठ्यक्रम : हिन्दी

क्रम	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार प्रमुख/लघु/ कौशल्य संवर्धन/क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	विश्वास मानांक (क्रेडिट मूल्य)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन-CCE (५० %)	सत्रांत मूल्यांकन-SEE (५० %)	प्रायोगिक/ मौखिकी अंक	कुल अंक	पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम							
											वर्ष	विद्याशाखा	विषय	पाठ्यक्रम ईकाई	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	विकल्प
१	स्नातक	पंचम्	प्रमुख (Major)	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल	११	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०१	०३	०५	११	०१
२	स्नातक	पंचम्	प्रमुख (Major)	हिन्दी भाषा का स्वरूप एवं विकास	१२	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०१	०३	०५	१२	०१
३	स्नातक	पंचम्	प्रमुख (Major)	साहित्य सिद्धांत-१ (भारतीय ज्ञान परम्परा)	१३	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०१	०३	०५	१३	०१
				अथवा														
४	स्नातक	पंचम्	प्रमुख (Major)	लोक साहित्य : स्वरूप एवं विकास	१३	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०१	०३	०५	१३	०२
५	स्नातक	पंचम्	लघु (Minor)	आधुनिक हिन्दी काव्य : रश्मिरथी एवं व्याकरण	०४	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०१	०३	०५	०४	०१
				अथवा														
६	स्नातक	पंचम्	लघु (Minor)	प्राचीन हिन्दी काव्य : विद्यापति पदावली, परमालरासो (आल्हखण्ड)	०४	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०१	०३	०५	०४	०२
७	स्नातक	पंचम्	लघु (Minor)	आधुनिक हिन्दी नाटक : अंधेरनगरी, ध्रुवस्वामिनी	०५	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०१	०३	०५	०५	०१
				अथवा														
८	स्नातक	पंचम्	लघु (Minor)	प्राचीन हिन्दी काव्य : बेलि क्रिसन रूकमणी री, ढोला मारू रा दूहा	०५	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०१	०३	०५	०५	०२
९	स्नातक	पंचम्	कौशल्य संवर्धन (SEC)	भाषा कौशल	०५	०२	५०	५०	–	५०	२३	०१	०३	०१	०३	०५	०५	०१
				अथवा														
१०	स्नातक	पंचम्	कौशल्य संवर्धन (SEC)	अनुवाद	०५	०२	५०	५०	–	५०	२३	०१	०३	०१	०३	०५	०५	०२
११	स्नातक	षष्ठ	प्रमुख (Major)	हिन्दी साहित्य का इतिहास :विविध विधाओं का उद्भव एवं विकास	१४	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०१	०३	०६	१४	०१
१२	स्नातक	षष्ठ	प्रमुख (Major)	हिन्दी भाषा का व्याकरण	१५	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०१	०३	०६	१५	०१
१३	स्नातक	षष्ठ	प्रमुख (Major)	साहित्य सिद्धांत-२ (भारतीय ज्ञान परम्परा)	१६	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०१	०३	०६	१६	०१
				अथवा														
१४	स्नातक	षष्ठ	प्रमुख (Major)	गुजरात का लोक साहित्य	१६	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०१	०३	०६	१६	०२
१५	स्नातक	षष्ठ	लघु (Minor)	आधुनिक हिन्दी उपन्यास : आपका बंटी	०६	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०१	०३	०६	०६	०१
				अथवा														
१६	स्नातक	षष्ठ	लघु (Minor)	मध्यकालीन हिन्दी काव्य : विनयपत्रिका, पद्मावतसार (नागमती वियोग खण्ड)	०६	०४	१००	१००	–	१००	२३	०१	०३	०१	०३	०६	०६	०२

Scanned by Camera Scanner

क्रम	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	विश्वास मानांक (क्रेडिट मूल्य)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन-CCE (५० %)	सत्रांत मूल्यांकन-SEE (५० %)	प्रायोगिक/ मौखिकी अंक	कुल अंक	पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम							
			प्रमुख/लघु/ कौशल्य संवर्धन/क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम								वर्ष	विद्याशाखा	विषय	पाठ्यक्रम ईकाई	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	विकल्प
१७	स्नातक	षष्ठ	क्षमता संवर्धन (AEC)	हिन्दी जनसंचार लेखन : समाचार पत्रकारिता एवं फिचर पटकथा लेखन विज्ञापन साक्षात्कार	०५	०२	५०	५०	–	५०	२३	०१	०३	०१	०३	०६	०५	०१
१८	स्नातक	षष्ठ	प्रशिक्षण (Internship)	शोध परियोजना/प्रायोगिक प्रशिक्षण/रचनात्मक एवं आलोचनात्मक लेखन	०१	०४	–	–	१००	१००	२३	०१	०३	०१	०३	०६	०१	०१

Scanned by Camera Scanner

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
प्रमुख पाठ्यक्रम
(Major Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	प्रमुख (Major-11)
पाठ्यक्रम शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०१ | ०३ | ०५ | ११ | ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:३० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन-CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन-SEE(५०%)	कुल अंक
०५	प्रमुख	०४	१०० अंक	१०० अंक	१००

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :	१. पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :
➢ छात्रगण आधुनिक काल की पुन: जागरण मन:स्थिति को विस्तार से समझे ।	➢ छात्रों ने आधुनिक काल की पुन: जागरण मन:स्थिति को विस्तार से समझा ।
➢ छात्रगण राष्ट्रीय काव्यधारा का पठन करके एकता, बंधुत्व एवं राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत होंगे ।	➢ छात्रगण राष्ट्रीय काव्यधारा का पठन करके एकता, बंधुत्व एवं राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत हुए ।
➢ छात्रगण द्विवेदी युगीन सुधारवादी आंदोलन के बारे में विस्तार से समझे।	➢ छात्रों ने द्विवेदी युगीन सुधारवादी आंदोलन के बारे में विस्तार से समझा।
➢ छात्र प्रयोगवादी कविता के माध्यम से जन-साधारण की भावना को समझेंगे ।	➢ छात्रों ने प्रयोगवादी कविता के माध्यम से जन-साधारण की भावना को समझा
➢ छात्र छायावाद के माध्यम से प्राकृतिक, अलौकिक रहस्यानुभूति महसूस करें ।	➢ छात्रों ने छायावाद के माध्यम से प्राकृतिक, अलौकिक रहस्यानुभूति को महसूस किया।
➢ छात्रगण प्रयोगवादी कविता के माध्यम से वर्ग संघर्ष की भावना को मिटाकर 'हम सब एक हैं' संदेश को सार्थक करेंगे ।	➢ छात्रों ने प्रयोगवादी कविता के माध्यम से वर्ग संघर्ष की भावना को मिटाकर 'हम सब एक हैं' संदेश को सार्थक किया।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ					
३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ					
४. मूल पाठ्यक्रम	✓	गौण पाठ्यक्रम		कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम		मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम		निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम		बहुविषयक पाठ्यक्रम		अंत:विषयक पाठ्यक्रम	
६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ					
७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ					
८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ					
९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ					

विश्वास मानांक (Credit Value)	०४ (चार- Four)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : १०० अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + १०० अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = १०० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : ३६ अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + ३६ अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = ३६ अंक

इकाई	पाठ्य-विषय	
इकाई-१	आधुनिक काल की परिस्थितियाँ	आधुनिक काल की साहित्यिक प्रवृतियाँ
	आधुनिक काल का नामकरण	आधुनिक काल-काल सीमा निर्धारण एवं उपविभाजन की समस्या
	आधुनिक काल 'गद्य काल' के रूप में	
इकाई-२	भारतेन्दु युग (पुन:जागरण काल) : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ	द्विवेदी युग की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ
	द्विवेदी युग (जागरण, सुधार काल) : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ	द्विवेदी युग की प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियाँ
	छायावाद युग : प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ	

Scanned by Camera Scanner

इकाई-३	छायावाद की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ	हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा : प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ
	हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ	हिन्दी की हालावादी काव्यधारा – प्रमुख कवि की रचनाएँ
	हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ	
इकाई-४	प्रगतिवाद : प्रमुखकवि एवं उनकी रचनाएँ	प्रगतिवादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
	प्रयोगवादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ	प्रयोगवादी काव्यधारा की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
	नई कविता के प्रमुख कवि, उनकी रचनाएँ एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ	
टिप्पणी	– साठोत्तरी हिन्दी कविता – हिन्दी गीति काव्य	– खड़ी बोली गद्य निर्माता – द्विवेदी युगीन प्रबन्ध काव्य – रहस्यवाद – रहस्यवाद की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ

परीक्षण एवं मूल्यांकन

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वासमानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	२०	२० बहुवैकल्पिक प्रश्न× १ अंक = २० १० लघु उत्तरीय प्रश्न× १ अंक = १० ०४ आलोचनात्मक प्रश्न× १५ अंक = ६० ०२ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = १०	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०२	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०४
सेमिनार	२०			
निरंतर मूल्यांकन	२०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	३०			
छात्र की उपस्थिति	१०			
कुल अंक	१००	कुल अंक–१००	कुल – ०४	कुल–०४

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.३०	२०	१	२०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		१०	१	१०
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०४	१५	६०
ड	टिप्पणियाँ		०२	०५	१०

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : वासुकि कृपा ओफसेट, राजकोट

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के १०० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के १०० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल १०० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का सर्वेक्षण (काव्य खण्ड), विश्वम्भर 'मानव', लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
२. प्रगतिवादी काव्य साहित्य : डॉ. कृष्णलाल 'हंस' मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नई दिल्ली
४. हिन्दी और गुजराती कविता में राष्ट्रीय अस्मिता : एक तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. एस. पी. शर्मा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
५. हरिवंशराय बच्चन की साहित्य साधना, पुष्पा भारती – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
६. आधुनिक हिन्दी काव्य, डॉ. भगीरथ मिश्र – डॉ. बलभद्र तिवारी – मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
७. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
८. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
९. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१०. नयी कविता का आत्मसंघर्ष : गजानन माधव मुक्ति बोध – राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद
११. अज्ञेय : सृजन और संघर्ष : राजकमलराय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१२. समकालीन कवि और काव्य : कल्याणचन्द्र – चिन्तन प्रकाशन, कानपुर
१३. लंबी कविताओं का रचना विधान : सं. नरेन्द्रमोहन – दि. मैकमिलकन कंपनी ऑफ इन्डिया लिमिटेड, दिल्ली
१४. कवि धर्म, डॉ. कुंवर चन्द्रप्रकाश सिंह – प्रतिभा प्रतिष्ठापन, नयी दिल्ली
१५. साठोत्तरी कविता : विद्रोही प्रतिमान : रत्नाकुमार पाण्डेय – अनंग प्रकाशन, दिल्ली
१६. हिन्दी के निर्माण : कुमुद शर्मा – भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
१७. प्रमुख खंड काव्यों में आधुनिकता बोध : डॉ. आलोक मिश्र – विकास प्रकाशन, कानपुर
१८. कविता की जमीन और जमीन की कविता : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१९. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बी. के. कलासवा – भगवती प्रकाशन, राजकोट
२०. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल अबतक : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन
२१. भारतीय साहित्य का सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. मितल जे. भालोडिया – पैरेडाईज पब्लिशर्स, जयपुर
२२. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. बी. के. कलासवा – भगवती प्रकाशन, राजकोट
२३. हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद

Scanned by Camera Scanner

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
प्रमुख पाठ्यक्रम
(Major Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	प्रमुख (Major-12)
पाठ्यक्रम शीर्षक	हिन्दी भाषा का स्वरूप एवं विकास
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०१ | ०३ | ०५ | १२ | ०१ |
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:३० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन-CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन-SEE(५०%)	कुल अंक
०५	प्रमुख	०४	१०० अंक	१०० अंक	१००

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :	**१. पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :**
➢ पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र हिन्दी भाषा की व्युत्पत्ति के बारे में जानें ।	➢ छात्रों ने हिन्दी भाषा की व्युत्पत्ति के बारे में जाना ।
➢ छात्रगण संसार की भाषाओं का वर्गीकरण विस्तार से समझें ।	➢ छात्रों ने संसार की भाषाओं का वर्गीकरण विस्तार से समझा ।
➢ छात्रगण राजभाषा के संसदीय अनुच्छेद को विस्तार से जानें ।	➢ छात्रों ने राजभाषा के संसदीय अनुच्छेद को विस्तार से जाना
➢ छात्रगण 'हिन्दी' शब्द का व्युत्पत्तिपरक इतिहास समझें ।	➢ छात्रों ने 'हिन्दी' शब्द का व्युत्पत्तिपरक इतिहास समझा ।
➢ छात्रगगण अपभ्रंश, पुरानी हिन्दी, डिंगल-पिंगल के आपसी भेद को समझें।	➢ छात्रों ने अपभ्रंश, पुरानी हिन्दी, डिंगल-पिंगल के आपसी भेद को समझा ।
➢ छात्रगण खड़ीबोली (राष्ट्रभाषा) के विकास-क्रम को विस्तार से जानें ।	➢ छात्रों ने खड़ीबोली (राष्ट्रभाषा)के विकास-क्रम को विस्तार से जाना।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ					
३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ					
४. मूल पाठ्यक्रम	✓	गौण पाठ्यक्रम		कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम		मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम		निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम		बहुविषयक पाठ्यक्रम		अंत:विषयक पाठ्यक्रम	
६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ					
७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ					
८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ					
९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ					

विश्वास मानांक (Credit Value)	०४ (चार- Four)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : १०० अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + १०० अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = १०० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : ३६ अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + ३६ अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = ३६ अंक

पाठ्य-इकाई	पाठ्य-विषय	
इकाई-१	भाषा का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	भारोपीय परिवार
	भाषा और बोली का अंतर	
इकाई-२	**भारतीय आर्य भाषाएँ : उद्भव एवं विकास :** – प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ : वैदिक एवं लौकिक – मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ : अपभ्रंश, अवहट्ठ, प्राकृत, पुरानी हिन्दी, डिंगल-पिंगल – आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : वर्गीकरण	
इकाई-३	हिन्दी भाषा और उसकी बोलियाँ	हिन्दी शब्द : नामकरण
	हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप	हिन्दी शब्द भण्डार या परम्परा
	हिन्दी भाषा का मानकीकरण और उनकी विशेषताएँ	
इकाई-४	देवनागरी लिपि का उद्भव एवं विकास	देवनागरी लिपि का मानकीकरण एवं आधुनिकीकरण
	देवनागरी लिपि-नामकरण और उनकी विशेषताएँ	
टिप्पणी	– हिन्दी भाषा क्षेत्र – स्वराघात – प्रयोजनमूलक हिन्दी – खड़ीबोली हिन्दी – भाषा और विभाषा	

Scanned by Camera Scanner

परीक्षण एवं मूल्यांकन				
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	२०	२० बहुवैकल्पिक प्रश्न× १ अंक = २० १० लघु उत्तरीय प्रश्न× १ अंक = १० ०४ आलोचनात्मक प्रश्न× १५ अंक = ६० ०२ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = १०	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०२	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०४
सेमिनार	२०			
निरंतर मूल्यांकन	२०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	३०			
छात्र की उपस्थिति	१०			
कुल अंक	१००	कुल अंक-१००	कुल - ०४	कुल-०४

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन					
विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.३०	२०	१	२०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		१०	१	१०
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०४	१५	६०
ड	टिप्पणियाँ		०२	०५	१०

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के १०० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के १०० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल १०० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. आधुनिक भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी - भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
२. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन : डॉ. श्री वास्तव
३. हिन्दी भाषा का स्वरूप एवं विकास : भालोडिया मितल - पेरेडाईझ पब्लिशर्स, सतलंज पथ, तारानगर-ए, झोतवारा, जयपुर
४. मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना : डॉ. रामप्रकाश - राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
५. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ. भोलानाथ तिवारी - वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
६. हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ : डॉ. विमलेश कान्ति वर्मा - प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसार मंत्रालय, भारत सरकार
७. हिंदी भाषा की सामाजिक संरचना : डॉ. भोलानाथ तिवारी - साहित्य सहकार, दिल्ली
८. हिन्दी-भाषा : रूप-विकास : डॉ. सरनामसिंह शर्मा 'अरूण' - चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
९. हिन्दी शब्दों की विकास कथा : डॉ. देवेन्द्रकुमार जैन - नीलाम प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. भाषा विज्ञान की भूमिका : आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा - राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
११. हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि : डॉ. देवेन्द्रप्रसाद सिंह -जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१२. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा : रामछबीला त्रिपाठी - किताब महल, इलाहाबाद-१
१३. हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम : डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

Scanned by Camera Scanner

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
प्रमुख पाठ्यक्रम
(Major Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	प्रमुख (Major-13)
पाठ्यक्रम शीर्षक	साहित्य सिद्धांत-१ (भारतीय ज्ञान परम्परा)
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०१ | ०३ | ०५ | १३ | ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:३० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (५०%)	सत्रांत कसौटी अंक (५०%)	कुल अंक
०५	प्रमुख	०४	१०० अंक	१०० अंक	१००

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :

- छात्रगण प्राचीन एवं नवीन साहित्य-अंगों का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रों में काव्य-रूपों की जानकारी से साहित्यिक रागात्मक चेतना परिष्कार होगी।
- छात्रगण साहित्य स्वरूपों को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण साहित्य-स्वरूपों की आपसी तुलना करें ।
- छात्रगण भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों को जानें ।
- छात्रों में साहित्यिक स्वरूपों की जानकारी से सृजनात्मक प्रतिभा का विकास होगा ।

१. पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :

- छात्रों ने प्राचीन एवं नवीन साहित्य-अंगों का परिचय प्राप्त किया ।
- छात्रों में काव्य-रूपों की जानकारी से साहित्यिक रागात्मक चेतना परिष्कृत हुई ।
- छात्रों ने साहित्य स्वरूपों को विस्तार से जाना ।
- छात्रों ने साहित्य-स्वरूपों की आपसी तुलना की ।
- छात्रों ने भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों को जाना ।
- छात्रों में साहित्यिक स्वरूपों की जानकारी से सृजनात्मक प्रतिभा का विकास हुआ।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम	✓	गौण पाठ्यक्रम		कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम		मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम		निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम		बहुविषयक पाठ्यक्रम		अंत:विषयक पाठ्यक्रम	✓

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०४ (चार- Four)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : १०० अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + १०० अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = १०० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : ३६ अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + ३६ अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = ३६ अंक

पाठ्य इकाई	पाठ्य-विषय	
इकाई-१	साहित्य : परिभाषा एवं स्वरूप	साहित्य और समाज
	साहित्य के विभिन्न तत्त्व	साहित्य और विज्ञान
इकाई-२	साहित्य और शैली	काव्य हेतू
	काव्य लक्षण	काव्य प्रयोजन
इकाई-३	काव्य के प्रकार	शब्द शक्ति
	विभिन्न काव्य संप्रदायों का संक्षिप्त परिचय	
इकाई-४	छंद	मात्रिक : शिखरिणी, इन्द्रव्रजा, मन्दाक्रान्ता, वसंततिलका
	अलंकार : शब्दालंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, अर्थालंकार : उपमा, रूपक, संदेह, अतिशयोक्ति	
टिप्पणियाँ	– काव्यगुण – साधारणीकरण – श्रव्य काव्य – महाकाव्य – काव्य दोष – दृश्य काव्य – प्रबंध काव्य – खण्डकाव्य	

Scanned by Camera Scanner

परीक्षण एवं मूल्यांकन				
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	२०	२० बहुवैकल्पिक प्रश्न× १ अंक = २० १० लघु उत्तरीय प्रश्न× १ अंक = १० ०४ आलोचनात्मक प्रश्न× १५ अंक = ६० ०२ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = १०	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०२	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०४
सेमिनार	२०			
निरंतर मूल्यांकन	२०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	३०			
छात्र की उपस्थिति	१०			
कुल अंक	१००	कुल अंक-१००	कुल - ०४	कुल-०४

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन					
विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.३०	२०	१	२०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		१०	१	१०
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०४	१५	६०
ड	टिप्पणियाँ		०२	०५	१०

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के १०० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के १०० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल १०० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. साहित्य-विवेचन : क्षेमचन्द्र, 'सुमन', योगेन्द्र कुमार मल्लिक - आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
२. काव्य के रूप : गुलाबराय - आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
३. काव्य गुणों का शास्त्रीय विवेचन : डॉ. शोभाकान्त मिश्र - बिहारी हिन्दी ग्रंथ, अकादमी, पटना
४. काव्यांगिनी : प्रेम प्रकाश गौतम - राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
५. काव्य तत्व-विमर्श : डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी - कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली
६. काव्य-मनीषा : डॉ. भगीरथ मिश्र - हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनउ
७. साहित्यकार की सामाजिक चेतना : डॉ. शैलेश के. मेहता - वासुकि प्रकाशन, राजकोट
८. अवगाहन : डॉ. गिरीशचन्द्र जे. त्रिवेदी - प्रवीण प्रकाशन, राजकोट
९. कविता की जमीन और जमीन की कविता : डॉ. नामवरसिंह - राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१०. साहित्य का श्रेय और प्रेय : जैनेन्द्रकुमार - पूर्वोदय प्रकाशन, नयी दिल्ली
११. कविता के नए प्रतिमान : डॉ. नामवरसिंह - राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१२. काव्य का वैष्णव व्यक्तित्व : श्री नरेश मेहता - लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
१३. विद्यादर्श : सं. डॉ. कपील त्रिवेदी : डॉ. बी. जे. पटेल - श्रीमती जे. सी. धानक महाविद्यालय, बगसरा
१४. भारतीय काव्य-शास्त्र के सिद्धांत : डॉ. सुरेश अग्रवाल - डॉ. जगदीश शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१५. साहित्यिक निबंध : डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१६. बृहत् भारतीय तथा पाश्चात्य काव्य-शास्त्र : डॉ. सुरेश अग्रवाल - डॉ. जगदीश शर्मा - अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१७. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. कृष्णदेव शर्मा - विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
१८. साहित्य के सिद्धांत : डॉ. कैलाश उपाध्याय - साधना प्रकाशन, कानपुर

Scanned by Camera Scanner

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
लघु पाठ्यक्रम
(Minor Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	लघु (Minor-4)
पाठ्यक्रम शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : रश्मिरथी एवं व्याकरण
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०१ | ०३ | ०५ | ०४ | ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:३० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (५०%)	सत्रांत कसौटी अंक (५०%)	कुल अंक
०५	लघु	०४	१०० अंक	१०० अंक	१००

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :	१. पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :
➢ छात्रगण महाभारतकालीन घटनाओं का विस्तार से अध्ययन करें ।	➢ छात्रों ने महाभारतकालीन घटनाओं का विस्तार से अध्ययन किया ।
➢ छात्रगण कर्ण के जीवन के बारे में जानें ।	➢ छात्रों ने कर्ण के जीवन के बारे में जाना।
➢ छात्रगण महाभारत के अल्पज्ञात पात्रों के बारे में जानें ।	➢ छात्रों ने महाभारत के अल्पज्ञात पात्रों के बारे में जाना।
➢ छात्रगण कर्ण के वीरता के बारे में जानें ।	➢ छात्रों ने कर्ण के वीरता के बारे में जाना।
➢ छात्रगण महाभारत की समाज-व्यवस्था को जानें ।	➢ छात्रों ने महाभारत की समाज-व्यवस्था को जाना।
➢ छात्रगण कहानी एवं निबंध की स्वरूपगत विशेषता के बारे में जानें।	➢ छात्रों ने कहानी एवं निबंध की स्वरूपगत विशेषता के बारे में जाना।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम	☐	गौण पाठ्यक्रम	☑	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	☐
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम	☐	मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम	☐	निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	☐
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम	☐	बहुविषयक पाठ्यक्रम	☐	अंत:विषयक पाठ्यक्रम	☐

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०४ (चार - Four)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : १०० अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + १०० अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = १०० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : ३६ अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + ३६ अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = ३६ अंक

पाठ्य इकाई	पाठ्य-विषय	
इकाई-१	रामधारिसिंह 'दिनकर' : व्यक्ति एवं कृतित्व	'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथानक
	हिन्दी खण्डकाव्य : उद्‌भव एवं विकास	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'रश्मिरथी' का मूल्यांकन
इकाई-२	खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'रश्मिरथी' का मूल्यांकन	'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के प्रेरणा-स्त्रोत
	'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के पात्रों का चित्रांकन	'रश्मिरथी' खण्डकाव्य में कल्पना एवं इतिहास का समन्वय
इकाई-३	'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की अभिव्यंजना-पद्धति	'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की मिथकीयता
	'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की आधुनिकता	'रश्मिरथी' खण्डकाव्य में निरूपित समस्याएँ
इकाई-४	कहानी लेखन	निबंध
टिप्पणियाँ	– 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य में निरूपित प्रकृति चित्रण – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य का उद्देश्य – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य में संवाद योजना	– 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य में अलंकार योजना – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य में छन्द योजना – 'रश्मिरथी' काव्य खण्डकाव्य में रस-योजना – कर्ण की दान महिमा

Scanned by Camera Scanner

परीक्षण एवं मूल्यांकन				
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	२०	२० बहुवैकल्पिक प्रश्न× १ अंक = २० १० लघु उत्तरीय प्रश्न× १ अंक = १० ०४ आलोचनात्मक प्रश्न× १५ अंक = ६० ०२ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = १०	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०२	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०४
सेमिनार	२०			
निरंतर मूल्यांकन	२०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	३०			
छात्र की उपस्थिति	१०			
कुल अंक	१००	कुल अंक-१००	कुल - ०४	कुल-०४

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन						
विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक	पाठ्य पुस्तक : रश्मिरथी संपादक : रामधारी सिंह 'दिनकर' प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.३०	२०	१	२०	
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		१०	१	१०	
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०४	१५	६०	
ड	टिप्पणियाँ		०२	०५	१०	

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के १०० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के १०० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल १०० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. 'युगचारण दिनकर' : सावित्री सिन्हा, नेशनल पब्लिशिंग, दिल्ली - प्रथम संस्करण
२. 'दिनकर' : सं. सावित्री सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
३. 'दिनकर' : पुनर्मूल्यांकन : एक विजेन्द्र सिंह, परिमल प्रकाशन
४. 'दिनकर' : कुछ पनर्विचार : डॉ. शंभुनाथ - जनचेतना प्रकाशन, कलकता
५. 'दिनकर एक सहज पुरुष : शिवसागर मिश्र, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
६. 'दिनकर साहित्य में व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति' : डॉ. रामारानी सिंह - अमित प्रकाशन, गाजियाबाद
७. 'दिनकर का व्यक्तित्व' : डॉ. सोमूरि प्रमीला - अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
८. 'दिनकर व्यक्तित्व एवं कृतित्व' : सं. जगदीशप्रसाद चतुर्वेदी, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली
९. 'दिनकर का गद्य साहित्य' : डॉ. प्रेमनाथ उपाध्याय -जिज्ञासा प्रकाशन, पटना
१०. 'भारतीय का सांस्कृतिक इतिहास' : डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ
११. 'भारतीय सांस्कृति और कला : वाचस्पति गैरोला, उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ
१२. 'समय और संस्कृति' : श्यामचरण दूबे - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१३. 'भारतीय संस्कृति' : शिवदत्त ज्ञानी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
१४. 'भारतीय संस्कृति की रूपरेखा' : पृथ्वीकुमार अग्रवाल विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
१५. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद - भारती भवन, पटना
१६. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद - भारती भवन, पटना
१७. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण- प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
१८. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा - हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
१९. हिन्दी भाषाा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा - हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
२०. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी सिलाकारी - साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
२१. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा - राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
२२. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Scanned by Camera Scanner

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
लघु पाठ्यक्रम
(Minor Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	लघु (Minor-5)
पाठ्यक्रम शीर्षक	आधुनिक हिन्दी नाटक : अंधेर नगरी, ध्रुवस्वामिनी
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०१ | ०३ | ०५ | ०५ | ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:३० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (५०%)	सत्रांत कसौटी अंक (५०%)	कुल अंक
०५	लघु	०४	१०० अंक	१०० अंक	१००

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :	१. पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :
➢ छात्रगण हिन्दी नाट्य-परम्परा को विस्तार से जानें ।	➢ छात्रों ने हिन्दी नाट्य-परम्परा को विस्तार से जाना ।
➢ छात्रगगण हिन्दी नाट्य विकास में गीति नाट्य स्थान स्पष्ट करें ।	➢ छात्रों ने हिन्दी नाट्य विकास में गीति नाट्य स्थान स्पष्ट किया ।
➢ छात्रगण भारतीय गुप्त राजाओं की वंशावली को जानें ।	➢ छात्रों ने भारतीय गुप्त राजाओं की वंशावली को जाना ।
➢ छात्रगण चंद्रगुप्त एवं रामगुप्त का संबंध जानें ।	➢ छात्रों ने चंद्रगुप्त एवं रामगुप्त का संबंध को जाना ।
➢ छात्रगण हिन्दी नाटक की विकास प्रक्रिया में भारतेन्दु के योगदान को जानें ।	➢छात्रों ने हिन्दी नाटक की विकास प्रक्रिया में भारतेन्दु के योगदान को जाना।
➢ छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से तत्कालीन राजनैतिक स्थिति को जानें ।	➢ छात्रों ने प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से तत्कालीन राजनैतिक स्थिति को जानें ।
➢ छात्रगण महाभारत की दर्दनाक, खौफनाक युद्ध विभिषिका को जानें ।	➢ छात्रों ने महाभारत की दर्दनाक, खौफनाक युद्ध विभिषिका को जाना ।
➢ छात्रगण भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की राष्ट्रीय भावना को जानें ।	➢ छात्रों ने भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की राष्ट्रीय भावना को जाना।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम	☐	गौण पाठ्यक्रम	☑	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	☐
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम	☐	मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम	☐	निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	☐
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम	☐	बहुविषयक पाठ्यक्रम	☐	अंत:विषयक पाठ्यक्रम	☐

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०४ (चार- Four)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : १०० अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + १०० अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = १०० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : ३६ अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + ३६ अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = ३६ अंक

पाठ्य इकाई	पाठ्य-विषय	
इकाई-१	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'अन्धेर नगरी' नाटक की कथावस्तु
	हिन्दी नाट्य साहित्य और भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	नाट्यकला के आधार पर 'अन्धेर नगरी' का मूल्यांकन
इकाई-२	'अन्धेर नगरी' नाटक के पात्रों का चरित्रांकन	'अन्धेर नगरी' नाटक में युग-बोध
	'अन्धेर नगरी' नाटक की रंग-परीकल्पना	'अन्धेर नगरी' नाटक में व्यंग्यात्मक
इकाई-३	जयशंकर प्रसाद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का कथानक
	नाट्यकला के आधार पर 'ध्रुवस्वामिनी' का मूल्यांकन	'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के पात्रों का चित्रांकन
	'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की संवाद-योजना	
इकाई-४	'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की ऐतिहासिकता	'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का परिवेश

Scanned by Camera Scanner

	'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में व्यक्त नारी-चेतना	'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की रंगमंचीयता
	'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय	
टिप्पणियाँ	- 'अन्धेर नगरी' नाटक के शीर्षक की सार्थकता - 'अन्धेर नगरी' नाटक की संवाद-योजना - 'अन्धेर नगरी' नाटक का उद्देश्य - 'अन्धेर नगरी' नाटक में संकलन-त्रय - 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की सार्थकता	- 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का उद्देश्य - 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का भाषा-शैली - 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का संकलन-त्रय - 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का अन्त - 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की संवाद-योजना

परीक्षण एवं मूल्यांकन

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	२०	२० बहुवैकल्पिक प्रश्न× १ अंक = २० १० लघु उत्तरीय प्रश्न× १ अंक = १० ०४ आलोचनात्मक प्रश्न× १५ अंक = ६० ०२ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = १०	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०२	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०४
सेमिनार	२०			
निरंतर मूल्यांकन	२०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	३०			
छात्र की उपस्थिति	१०			
कुल अंक	१००	कुल अंक-१००	कुल - ०४	कुल-०४

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.३०	२०	१	२०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		१०	१	१०
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०४	१५	६०
ड	टिप्पणियाँ		०२	०५	१०

पाठ्य पुस्तक : अन्धेर नगरी
संपादक : भारतेन्दु हरिश्चंन्द्र
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्य पुस्तक : ध्रुवस्वामिनी
संपादक : जयशंकर प्रसाद
प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के १०० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के १०० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल १०० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. साठोत्तरी हिन्दी के प्रमुख नाटकों में राजनीतिक व्यंग्य : डॉ. मेरगसिंह यादव - मिन्डाश पब्लिकेशन, उरइ, उत्तरप्रदेश
२. प्रसादोत्तर नाट्य-साहित्य : डॉ. विजय बापट - हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
३. भारतेन्दु-युगीन नाटक : डॉ. सुशीला धीर - हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
४. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानावत, अनुपम प्रकाशन, जयपुर
५. आधुनिक हिन्दी नाटक : डॉ. नगेन्द्र - नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
६. हिन्दी नाटक और नाटककार : डॉ. सुरेशचन्द्र शुक्ल - कु. नीलम मसन्द, पुस्तक संस्थान, कानपुर
७. आधुनिक हिन्दी नाटक : एक यात्रा दशक : नरनारायण राय - भारती भाषा प्रकाशन, दिल्ली
८. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : रामविलास शर्मा - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
९. भारतेन्दु और नर्मद का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. अरविन्दकुमार देसाई - सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा
१०. हिन्दी के रंगमंचीय नाटकों का शिल्प विधान : डॉ. चन्द्रसेन नावाणी - हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद
११. हिन्दी के नाटक शिल्पी : डॉ. शान्ति मलिक - नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
१२. हिन्दी नाटक पर पाश्चात्य प्रभाव : विश्वनाथ मिश्र - लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली
१३. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिवकुमार शर्मा - अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१४. अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, सं. ब्रजकुमार मित्तल - जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१५. अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, सं. रमेश गुप्ता - कमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१६. हिन्दी और गुजराती नाट्य-साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. रघुवीर उपाध्याय - नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
१७. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय - राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
१८. प्रसादोत्तर नाट्य साहित्य : डॉ. विजय बापट - मध्यप्रदेश ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
१९. हिन्दी साहित्य की प्रमुख कृति और कृतिकार : डॉ. नरेन्द्र भानवत - अनुपम प्रकाशन, जयपुर
२०. आधुनिक हिन्दी नाटक : डॉ. नगेन्द्र - नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
२१. प्रसाद-प्रतिभा : सं. डॉ. इन्द्रनाथ मदान - नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
२२. हिंदी-साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य-खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२३. हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : डॉ. जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल - विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
२४. हिन्दी साहित्य : रचना से अलोचना तक : डॉ. शैलेश के. मेहता - के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
२५. हिन्दी साहित्य का प्रवृति पर के इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र - जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Scanned by Camera Scanner

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
कौशल्य संवर्धन पाठ्यक्रम
(Skill Enhancement Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	कौशल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC - PAPER-05)
पाठ्यक्रम शीर्षक	अनुवाद
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०१ | ०३ | ०५ | ०५ | ०२ |
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०१:१५ घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन-CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन-SEE(५०%)	कुल अंक
०५	कौशल्य संवर्धन	०२	५० अंक	५० अंक	५०

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :	**पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :**
➢छात्रगण अनुवाद क्या है, इसको जानें । ➢छात्रगण अनुवाद का भविष्य तथा सीमाओं को जानें । ➢छात्रगण अनुवाद-प्रक्रिया में अनुवाद कैसे किया जाय, उससे अवगत हो। ➢छात्रगण सांस्कृतिक शब्दों, लोकोक्तियों और मुहावरों के अनुवाद से परिचित हों । ➢छात्रगण गद्य और पद्य कृतियों के अनुवाद करते समय किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है इससे परिचित हों । ➢उन समस्याओं के यथासम्भव समाधान छात्रों को मिलें । ➢छात्रगण भविष्य में अनुवाद के क्षेत्र में रोजगारी के अवसरों से परिचित हों ।	➢छात्रों ने अनुवाद क्या है, इसको जाना। ➢छात्रों ने अनुवाद का भविष्य तथा सीमाओं को जाना । ➢छात्रगण अनुवाद-प्रक्रिया में अनुवाद कैसे किया जाय, उससे अवगत हुए। ➢छात्रगण सांस्कृतिक शब्दों, लोकोक्तियों और मुहावरों के अनुवाद से परिचित हुए । ➢छात्रगण गद्य और पद्य कृतियों के अनुवाद करते समय किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है इससे परिचित हुए । ➢उन समस्याओं के यथासम्भव समाधान छात्रों को मिला । ➢छात्रगण भविष्य में अनुवाद के क्षेत्र में रोजगारी के अवसरों से परिचित हुए।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ					
३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ					
४. मूल पाठ्यक्रम	☐	गौण पाठ्यक्रम	☐	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	✓
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम	☐	मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम	☐	निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	☐
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम	☐	बहुविषयक पाठ्यक्रम	☐	अंत:विषयक पाठ्यक्रम	☐
६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ					
७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ					
८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ					
९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ					

विश्वास मानांक (Credit Value)	०२ (दो- Two)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : ५० अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + ५० अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = ५० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : १८ अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + १८ अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = १८ अंक

पाठ्य-इकाई	पाठ्य-विषय	
इकाई-१	अनुवाद : व्युत्पत्ति, अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं महत्त्व	अनुवाद लेखन की भारतीय परम्परा
	अनुवाद लेखन की पाश्चत्य परम्परा	अनुवाद का महत्त्व
इकाई-२	अनुवाद के रूप : मशीनी अनुवाद, लिप्यन्तरण या लिप्यंकन अनुवाद	अनुवाद भाषा : स्त्रोतभाषा, लक्ष्यभाषा, संकल्पना और विवेचन
	अनुवाद प्रक्रिया — अनुवाद के प्रकार : शब्दावनुवाद भावानुवाद, छायानुवाद, व्याख्यानुवाद, सारानुवाद, आशुअनुवाद, रूपान्तरण ।	
इकाई-३	अनुवाद में भाषाशास्त्र का महत्त्व	अनुवाद की शैलियाँ
	अनुवाद के साधन	अनुवाद की विशेषताएँ एवं उपयोगिता , अनुवाद की विशेषताएँ
इकाई-४	अनुवाद के क्षेत्र	अनुवाद के गुण,
	अनुवाद और वैश्विकरण	अनुवाद विज्ञान, शिल्प एवं कला का अंत:सम्बन्ध

Scanned by Camera Scanner

टिप्पणी	– अनुवाद संस्कृति के दूत के रूप में – अनुवाद विज्ञान का परिचय	– अनुवाद में रोजगार की संभावनाएँ – अनुवाद का भविष्य

परीक्षण एवं मूल्यांकन

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	१०	१० बहुवैकल्पिक प्रश्न × १ अंक = १० ०५ लघु उत्तरीय प्रश्न × १ अंक = ०५ ०२ आलोचनात्मक प्रश्न × १५ अंक = ३० ०१ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = ०५	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०१ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०१	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२
सेमिनार	१०			
निरंतर मूल्यांकन	१०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	१५			
छात्र की उपस्थिति	०५			
कुल अंक	५०	कुल अंक–५०	कुल – ०२	कुल–०२

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.००	१०	१	१०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		०५	१	०५
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०२	१५	३०
ड	टिप्पणियाँ		०१	०५	०५

पाठ्य पुस्तक : अनुवाद भारती
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन, रोहतक

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय १:१५ घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के ५० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के ५० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल ५० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग – कैलाश चंद्र भाटिया, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
२. अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्र. शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
३. हिन्दी अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ – सं. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव और गोस्वामी, प्र. आलेख प्रकाशन, दिल्ली
४. हिन्दी अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग – वासुदेवनंदन प्रसाद, प्र. भारती भवन प्रकाशन, पटना
५. विदेशी भाषाओं से अनुवाद की समस्याएँ – भोलानाथ तिवारी, नरेश कुमार, प्र. प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
६. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ, भोलानाथ तिवारी

Scanned by Camera Scanner

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
प्रमुख पाठ्यक्रम
(Major Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	प्रमुख (Major-14)
पाठ्यक्रम शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास :विविध विधाओं का उद्भव एवं विकास
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०१ | ०३ | ०६ | १४ | ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:३० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन-CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन-SEE(५०%)	कुल अंक
०६	प्रमुख	०४	१०० अंक	१००	१००

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :	१. पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :
➢ छात्रगण हिन्दी गद्य स्वरूपों से परिचित होंगे ।	➢ छात्रगण हिन्दी गद्य स्वरूपों से परिचित हुऐ ।
➢ छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित करना ।	➢ छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित हुई ।
➢ छात्र उपन्यास एवं कहानी का स्वरूपगत भेद समझे ।	➢ छात्रों ने उपन्यास एवं कहानी का स्वरूपगत भेद समझा ।
➢ छात्रगण यात्रा साहित्य के माध्यम से विभिन्न राष्ट्रों की संस्कृतियों का परिचय प्राप्त करें ।	➢ छात्रों ने यात्रा साहित्य के माध्यम से विभिन्न राष्ट्रों की संस्कृतियों का परिचय प्राप्त किया।
➢ छात्र हिन्दी नाटक एवं रंगमंच की आवश्यकता को जानें ।	➢ छात्रों ने हिन्दी नाटक एवं रंगमंच की आवश्यकता को जाना ।
➢ छात्रगण साक्षात्कार से व्यक्तिगत प्रतिभा का विकास करेंगे ।	➢ छात्रों ने साक्षात्कार से व्यक्तिगत प्रतिभा का विकास किया ।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम	✓	गौण पाठ्यक्रम		कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम		मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम		निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम		बहुविषयक पाठ्यक्रम		अंत:विषयक पाठ्यक्रम	

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०४ (चार -Four)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : १०० अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + १०० अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = १०० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : ३६ अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + ३६ अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = ३६ अंक

इकाई	पाठ्य-विषय	
इकाई-१	हिन्दी नाटक : उद्भव एवं विकास	हिन्दी उपन्यास : उद्भव एवं विकास
	हिन्दी कहानी : उद्भव एवं विकास	
इकाई-२	हिन्दी निबंध : उद्भव एवं विकास	हिन्दी आलोचना : उद्भव एवं विकास
	हिन्दी संस्मरण : उद्भव एवं विकास	
इकाई-३	हिन्दी रेखाचित्र : उद्भव एवं विकास	हिन्दी जीवनी : उद्भव एवं विकास
	हिन्दी आत्मकथा : उद्भव एवं विकास	
इकाई-४	हिन्दी रीपोर्ताज : उद्भव एवं विकास	हिन्दी का यात्रा साहित्य : उद्भव एवं विकास
	हिन्दी की पत्र-पत्रिकाएँ : उद्भव एवं विकास	
टिप्पणियाँ	– हिन्दी का एकांकी साहित्य – हिन्दी का व्यंग्य साहित्य – हिन्दी का साक्षात्कार साहित्य – हिन्दी का डायरी साहित्य	

Scanned by Camera Scanner

परीक्षण एवं मूल्यांकन				
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	२०	२० बहुवैकल्पिक प्रश्न × १ अंक = २० १० लघु उत्तरीय प्रश्न × १ अंक = १० ०४ आलोचनात्मक प्रश्न × १५ अंक = ६० ०२ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = १०	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०२	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०४
सेमिनार	२०			
निरंतर मूल्यांकन	२०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	३०			
छात्र की उपस्थिति	१०			
कुल अंक	१००	कुल अंक–१००	कुल – ०४	कुल–०४

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन						
विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक	पाठ्य पुस्तक : साहित्य स्वरूप : उद्‌भव एवं विकास लेखक : डॉ. बी. के. कलासवा प्राप्ति स्थान : पैरेडाईज पब्लिशर्स, जयपुर
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.३०	२०	१	२०	
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		१०	१	१०	
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०४	१५	६०	
ड	टिप्पणियाँ		०२	०५	१०	

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २:३० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के १०० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्‌यालय द्वारा आयोजित) के १०० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल १०० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्‌यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. साहित्यिक निबंध : राजनाथ शर्मा – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
२. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील : डॉ. आभा रानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
३. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास : हजारीप्रसा द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
४. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य रूपों का उद्‌भव और विकास : डॉ. बलवन्त लक्ष्मण कोतमिरे – किताब महल, दिल्ली
५. अमृतलाल नागर के उपन्यास : भारतीयता की पहचान : डॉ. बी. जे. पटेल – चिन्तन प्रकाशन, कानपुर
६. निर्मल वार्मा की कहानियों मे युग-संवेदना : डॉ. परेश पण्डया – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
७. रामदरश मिश्र के उपन्यासों में नारी : डॉ. मनहर गोस्वामी – भारत पुस्तक भंडार, दिल्ली
८. रामदशर मिश्र के उपन्यासों में गृह-परिवार : डॉ. यशवंत गोस्वामी – नया साहित्य केन्द्र, दिल्ली
९. हिन्दी साहित्य : रचना से आलोचना तक : डॉ. शैलेश के. मेहता – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
१०. हिन्दी कहानी : एक अंतरंग परिचय : श्री उपेन्द्रनाथ अशक – नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
११. हिन्दी साहित्य में निबन्ध और निबंधाकार : डॉ. गंगाप्रसाद गुप्त – रचना प्रकाशन, इलाहाबाद
१२. 'प्रसाद के नाटक तथा रंगमंच' : डॉ. सुष्मापाल मल्होत्रा – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
१३. प्रेमचन्द परिचर्चा : सं. कल्याणमाल सोढा एवं रामनाथ तिवारी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१४. हिंदी साहित्य का सर्वेक्षण (गद्य खण्ड) : विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१५. यात्रा साहित्य : उद्‌भव एवं विकास : डॉ. सुरेन्द्र माथुर – साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
१६. शोध के नये आयाम : डॉ. बी. के. कलासवा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
१७. हिन्दी का गद्य पर्व : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
१८. कहानी नयी पुरानी : नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
१९. यात्रा साहित्य : डॉ. सुरेश बाबर – जगतभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२०. गद्य विविधा : डॉ. नागेश्वर सिंह : डॉ. माया प्रसाद – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. बी. के. कलासवा – भगवती प्रकाशन, राजकोट
२२. निर्मल वर्मा के उपन्यासों में संवेदना और शिल्प : डॉ. एन. एम. डोडिया – सुरभि प्रकाशन, नडियाद
२३. संक्षिप्त हिन्दी साहित्य समीक्षा : डॉ. वखतसिंह गोहिल – वासुकी कृपा ओफसेट, राजकोट

Scanned by Camera Scanner

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
प्रमुख पाठ्यक्रम
(Major Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	प्रमुख (Major-15)
पाठ्यक्रम शीर्षक	हिन्दी भाषा का व्याकरण
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०१ | ०३ | ०६ | १५ | ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:३० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन-CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन-SEE(५०%)	कुल अंक
०६	प्रमुख	०४	१०० अंक	१०० अंक	१००

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :

- हिन्दी के छात्रों को हिन्दी व्याकरण की रूक्षता और अनावश्यक नियमबद्धता के कटु अनुभव से बचाना ।
- अहिन्दी प्रान्तों के हिन्दी छात्रों को हिन्दी की प्रकृति और प्रवृत्ति से परिचित कराना।
- छात्रगण हिन्दी भाषा की सरलता, सहजता, सचोटता एवं संक्षिप्तता को जानें ।
- पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र व्याकरण के माध्यम से अपनी भाषाकीय अशुद्धियों, असंगतियों को दूर करें ।
- छात्रगण हिन्दी भाषा का प्रशिक्षण प्राप्त करें ।
- छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम सामग्री को पढ़कर अपनी वाणी की अशुद्धता को दूर करें।

पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :

- हिन्दी के छात्रों को हिन्दी व्याकरण की रूक्षता और अनावश्यक नियमबद्धता के कटु अनुभव से बचाए।
- अहिन्दी प्रान्तों के हिन्दी छात्रों को हिन्दी की प्रकृति और प्रवृत्ति से परिचित कराया।
- छात्रों ने हिन्दी भाषा की सरलता, सहजता, सचोटता एवं संक्षिप्तता को जाना।
- पाठ्यक्रम से संबंधित छात्रों ने व्याकरण के माध्यम से अपनी भाषाकीय अशुद्धियों, असंगतियों को दूर किया।
- छात्रों ने हिन्दी भाषा का प्रशिक्षण प्राप्त किया ।
- छात्रों ने प्रस्तुत पाठ्यक्रम सामग्री को पढ़कर अपनी वाणी की अशुद्धता को दूर किया ।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ

३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ

४. मूल पाठ्यक्रम	✓	गौण पाठ्यक्रम		कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम		मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम		निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम		बहुविषयक पाठ्यक्रम		अंत:विषयक पाठ्यक्रम	

६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ

७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ

८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ

९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ

विश्वास मानांक (Credit Value)	०४ (चार - Four)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : १०० अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) +१०० अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = १०० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : ३६ अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + ३६ अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = ३६ अंक

इकाई	पाठ्य-विषय	
इकाई-१	हिन्दी वर्णमाला : स्वर, व्यंजन, अल्पप्राण, महाप्राण, अनुस्वार, अनुनासिक, पंचमाक्षर, बलाघात (स्वराघात)	लिंग : अर्थ, परिभाषा एवं भेद
	शब्द : अर्थ, परिभाषा एवं भेद (मूल शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, विकारी शब्द, अविकारी शब्द)	वचन : अर्थ, परिभाषा एवं भेद
इकाई-२	कारक : अर्थ, परिभाषा एवं भेद	सर्वनाम : अर्थ, परिभाषा एवं भेद
	संज्ञा : परिभाषा एवं भेद	विशेषण : अर्थ, परिभाषा एवं भेद
इकाई-३	क्रिया : अर्थ, परिभाषा एवं भेद	वाच्य : अर्थ, परिभाषा एवं भेद
	अव्यय : परिभाषा एवं भेद	काल : अर्थ, परिभाषा एवं भेद
इकाई-४	वाक्य : अर्थ, परिभाषा, विभाजन, प्रकार एवं महत्त्व	सन्धि : अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार
	विराम चिह्न : अर्थ, परिभाषा, प्रकार एवं महत्त्व	समास : अर्थ, परिभाषा एवं भेद
टिप्पणियाँ	– कृदन्त के भेद – अनेकार्थ शब्द – विलोमार्थी शब्द – वर्तनी – पर्यायवाची शब्द – मुहावरें एवं लोकोक्ति में अन्तर	

Scanned by Camera Scanner

परीक्षण एवं मूल्यांकन				
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	२०	२० बहुवैकल्पिक प्रश्न × १ अंक = २० १० लघु उत्तरीय प्रश्न × १ अंक = १० ०४ आलोचनात्मक प्रश्न × १५ अंक = ६० ०२ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = १०	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०२	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०४
सेमिनार	२०			
निरंतर मूल्यांकन	२०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	३०			
छात्र की उपस्थिति	१०			
कुल अंक	१००	कुल अंक-१००	कुल - ०४	कुल-०४

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन					
विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.३०	२०	१	२०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		१०	१	१०
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०४	१५	६०
ड	टिप्पणियाँ		०२	०५	१०

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २:३० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के १०० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के १०० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल १०० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी भाषा विज्ञान : डॉ. डी. डी. शर्मा - पल्लव प्रकाशन, मालीवाड, दिल्ली
२. आधुनिक भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी -भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
३. हिन्दी भाषा का व्याकरण : डॉ. मितल जे. भालोडिया - पेरेडाईझ पब्लिशर्स, सतलंज पथ, तारानगर-ए, झोतवारा, जयपुर
४. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन : डॉ. श्रीवास्तव
५. आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. राजमणि शर्मा - वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
६. भाषा विज्ञान और हिन्दी : डॉ. के. डी. रुवाली
७. हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम : डॉ. श्रीवास्तव
८. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ. भोलानाथ तिवारी - वाणी प्रकाशन, दिल्ली
९. हिन्दी भाषा का विकासात्मक अध्ययन : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना - विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
१०. हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ : डॉ. विमलेश कांति शर्मा -भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
११. हिन्दी विकास और संभावनाएँ : डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया - भारतीय ग्रंथ निकेतन, नयी दिल्ली
१२. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद - भारती भवन, पटना
१३. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण : डॉ. हरदेव बाहरी - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१४. हिन्दी भाषा की सामाजिक संरचना : डॉ. भोलानाथ तिवारी - साहित्य सहकार, दिल्ली
१५. हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीलाल वाजपेयी - नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
१६. हिन्दी व्याकरण : पं. कामताप्रसाद गुरु - नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
१७. साहित्य विवेचन : क्षेमचन्द्र 'सुमन' : योगेन्द्रकुमार मल्लिक - आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
१८. रस छंद अलंकार : पं. धर्मनारायण पाण्डेय - जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१९. हिन्दी भाषा का इतिहास : प्रो. ओमप्रकाश तरुण, रीगल बुक डिपो, दिल्ली
२०. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि : डॉ. भोलानाथ तिवारी - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२१. वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिन्दी : डॉ. मालती दुबे - पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद
२२. हिन्दी-भाषा : रूप-विकास : डॉ. सरनामसिंह शर्मा 'अरूण' - चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
२३. हिन्दी शब्दों की विकास कथा : डॉ. देवेन्द्रकुमार जैन - नीलाम प्रकाशन, दिल्ली
२४. भाषा: इतिहास की भाषावैज्ञानिक भूमिका : जो. वान्द्रियैज - हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनउ
२५. प्रशासनिक हिन्दी निपूणता : हरिबाबू कंसाल - प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
२६. हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य : डॉ. पंडित बन्ने - अमन प्रकाशन, कानपुर
२७. डॉ. फादर कामिल बुल्के की हिन्दी सेवा : प्रा. मोनिका छतवाणी - आकाश पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स, गाजियाबाद
२८. मानक हिन्दी : स्वरूप और संरचना - डॉ. रामप्रकाश - राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

Scanned by Camera Scanner

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
प्रमुख पाठ्यक्रम
(Major Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	प्रमुख (Major-16)
पाठ्यक्रम शीर्षक	साहित्य सिद्धांत-२ (भारतीय ज्ञान परम्परा)
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०१ | ०३ | ०६ | १६ | ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:३० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन-CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन-SEE(५०%)	कुल अंक
०६	प्रमुख	०४	१०० अंक	१०० अंक	१००

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :	**पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :**
➢ छात्रगण प्राचीन एवं नवीन साहित्य स्वरूपों के सैद्धांतिक स्वरूप से परिचित हो । ➢ छात्रगण साहित्य स्वरूपों की तुलना करें । ➢ छात्रगण साहित्य स्वरूपों का तात्विक विवेचन समझे । ➢ छात्रगण साहित्य-रूपों की महत्ता समझे । ➢ छात्रगण साहित्य स्वरूपों का प्रकार जानें ।	➢ छात्रगण प्राचीन एवं नवीन साहित्य स्वरूपों के सैद्धांतिक स्वरूप से परिचित हुए । ➢ छात्रों ने साहित्य स्वरूपों की तुलना की । ➢ छात्रों ने साहित्य स्वरूपों का तात्विक विवेचन समझा । ➢ छात्रों ने साहित्य-रूपों की महत्ता समझी । ➢ छात्रों ने साहित्य स्वरूपों के प्रकार को जाना ।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ					
३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ					
४. मूल पाठ्यक्रम	✓	गौण पाठ्यक्रम		कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	✓
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम		मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम		निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम	✓	बहुविषयक पाठ्यक्रम		अंत:विषयक पाठ्यक्रम	
६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ					
७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ					
८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ					
९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ					

विश्वास मानांक (Credit Value)	०४ (चार- Four)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : १०० अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + १०० अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = १०० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : ३६ अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + ३६ अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = ३६ अंक

इकाई	**पाठ्य-विषय**	
इकाई-१	नाटक : व्युत्पति के विभिन्न मत	'एकांकी' का अर्थ, परिभाषा, तत्त्व, प्रकार एकांकी का आधुनिक स्वरूप
	नाटक का अर्थ, परिभाषा, तत्त्व और प्रकार	नाटक एवं एकांकी की तुलना
इकाई-२	'उपन्यास' का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व, उपन्यास के प्रकार	'उपन्यास' और 'कहानी' में अन्तर, कहानी का आधुनिक स्वरूप
	'कहानी' का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व, कहानी के भेद	'निबंध' का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व, निबंध के प्रकार
	'आलोचना' का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व, आलोचना के प्रकार	
इकाई-३	हिन्दी संस्मरण : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व एवं प्रकार	संस्मरण और रेखाचित्र की तुलना
	हिन्दी रेखाचित्र : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व एवं प्रकार	जीवनी : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व एवं प्रकार
इकाई-४	आत्मकथा : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व एवं प्रकार	रीपोतार्ज : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व एवं प्रकार
	जीवनी और आत्मकथा की तुलना	यात्रा साहित्य : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व एवं प्रकार
टिप्पणियाँ	– रूपक के भेद – साक्षात्कार : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप	– व्यंग्य : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप – डायरी : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप

Scanned by Camera Scanner

परीक्षण एवं मूल्यांकन				
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	२०	२० बहुवैकल्पिक प्रश्न × १ अंक = २० १० लघु उत्तरीय प्रश्न × १ अंक = १० ०४ आलोचनात्मक प्रश्न × १५ अंक = ६० ०२ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = १०	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०२	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०४
सेमिनार	२०			
निरंतर मूल्यांकन	२०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	३०			
छात्र की उपस्थिति	१०			
कुल अंक	१००	कुल अंक-१००	कुल - ०४	कुल-०४

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन						
विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक	पाठ्य पुस्तक : साहित्य स्वरूप लेखक : डॉ. बी. के. कलासवा प्राप्ति स्थान : पैरेडाईज पब्लिशर्स, जयपुर
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.३०	२०	१	२०	
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		१०	१	१०	
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०४	१५	६०	
ड	टिप्पणियाँ		०२	०५	१०	

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २:३० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के १०० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के १०० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल ५० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी का गद्य पर्व : डॉ. नामवरसिंह - राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
२. निर्मल वर्मा की कहानियों में युग-संवेदना : डॉ. परेश पण्डया - के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
३. साहित्य-सहचर : हजारीप्रसाद द्विवेदी - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. इतिहास और आलोचना : डॉ. नामवरसिंह - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
५. आलोचना के नए मान : कर्णसिंह चौहान - दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लि., दिल्ली
६. एक साहित्यिक की डायरी : गजानन माधव मुक्तिबोध - भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली
७. साहित्यालोचन : प्रो. भारतभूषण 'सरोज' - विनोद पुस्तक मन्दिरा, आगरा
८. साहित्यालोचन : कृष्णदेव शर्मा : विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
९. साहित्यिक निबंध : दुर्गाशंकर मिश्र - प्रकाशन केन्द्र, लखनउ
१०. हिन्दी साहित्य कोश-१, पारिभाषिक शब्दावली : सं. धीरेन्द्र वर्मा एवं साथी - ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
११. समीक्षा-शास्त्र, डॉ. दशरथ ओझा - राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
१२. काव्य के रूप : गुलाबराय - आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
१३. साहित्य विवेचन : क्षेमचन्द्र 'सुमन' : योगेन्द्रकुमार मल्लिक - आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
१४. आधुनिक आलोचना के प्रतिमान : डॉ. चन्द्रभूषण सिन्हा : डॉ. सुशीला मिश्रा - जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१५. अमृतलाल नागर के उपन्यास : भारतीयता की पहचान : डॉ. बी. जे. पटेल 'ब्रिजेश' - चिन्तन प्रकाशन, कानपुर

Scanned by Camera Scanner

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
लघु पाठ्यक्रम
(Minor Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	लघु (Minor-5)
पाठ्यक्रम शीर्षक	आधुनिक हिन्दी उपन्यास : आपका बंटी
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०१ | ०३ | ०६ | ०६ | ०१ |
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:३० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन-CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन-SEE(५०%)	कुल अंक
०४	लघु	०४	१०० अंक	१०० अंक	१००

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :	१. पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :
➢ छात्र साहित्य-रूपों को समझते हुए उपन्यास की तात्त्विकता समझे ।	➢ छात्रों ने साहित्य-रूपों को समझते हुए उपन्यास की तात्त्विकता समझा ।
➢ छात्र मन्नू भण्डारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जाने ।	➢ छात्रों ने मन्नू भण्डारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जाना ।
➢ छात्र हिन्दी उपन्यास में मनोवैज्ञानिक उपन्यास साहित्य को जाने ।	➢ छात्रों ने हिन्दी उपन्यास में मनोवैज्ञानिक उपन्यास साहित्य को जाना ।
➢ छात्र उपन्यास के उद्भव एवं विकास को समझे ।	➢ छात्रों ने उपन्यास के उद्भव एवं विकास को समझा ।
➢ छात्र संदर्भित उपन्यास की मूल संवेदना को जाने ।	➢ छात्रों ने संदर्भित उपन्यास की मूल संवेदना को जाना ।
➢ छात्र समसामयिक परिस्थितियाँ एवं हिन्दी उपन्यास के तारतम्य को जाने ।	➢ छात्रों ने समसामयिक परिस्थितियाँ एवं हिन्दी उपन्यास के तारतम्य को जाने ।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ					
३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ					
४. मूल पाठ्यक्रम	☐	गौण पाठ्यक्रम	✓	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	☐
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम	☐	मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम	☐	निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	☐
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम	☐	बहुविषयक पाठ्यक्रम	☐	अंत:विषयक पाठ्यक्रम	☐
६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ					
७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ					
८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ					
९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ					

विश्वास मानांक (Credit Value)	०४ (चार- Four)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : १०० अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + १०० अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = १०० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : ३६ अंक (आंतरिक-CCE ५० प्रतिशत) + ३६ अंक (बाह्य-SEE ५० प्रतिशत) = ३६ अंक

इकाई	पाठ्य-विषय	
इकाई-१	मन्नू भण्डारी का व्यक्तित्त्व एवं कृतित्व	'आपका बंटी' उपन्यास की कथावस्तु
	हिन्दी उपन्यास : उद्भव एवं विकास	उपन्यास कला के आधार पर 'आपका बंटी' का मूल्यांकन
इकाई-२	'आपका बंटी' उपन्यास में 'बंटी' का चरित्रांकन	'आपका बंटी' उपन्यास की मूल संवेदना
	'आपका बंटी' उपन्यास के पात्रों का चरित्रांकन	'आपका बंटी' उपन्यास में चित्रित समस्याएँ
इकाई-३	'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त बाल मनोविज्ञान	'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त दाम्पत्य जीवन
	'आपका बंटी' उपन्यास की आधुनिकता	'आपका बंटी' उपन्यास का परिवेश
इकाई-४	'आपका बंटी' उपन्यास में चित्रित नारी जीवन	'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त अकेलापन की स्थिति
	वर्तमान मानव समाज के टूटते संबंध और 'आपका बंटी' की आलोचना	'आपका बंटी' उपन्यास की समसामयिकता
टिप्पणियाँ	– 'आपका बंटी' शीर्षक सार्थकता – ' 'आपका बंटी' उपन्यास का उद्देश्य – 'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त मातृ प्रेम – 'आपका बंटी' उपन्यास की संवाद योजना – 'आपका बंटी' उपन्यास की सकुन – 'आपका बंटी' उपन्यास की भाषा शैली	

Scanned by Camera Scanner

परीक्षण एवं मूल्यांकन				
सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक (Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षाथी
एसाईन्मेन्ट	२०	२० बहुवैकल्पिक प्रश्न× १ अंक = २० १० लघु उत्तरीय प्रश्न× १ अंक = १० ०४ आलोचनात्मक प्रश्न× १५ अंक = ६० ०२ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = १०	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०२	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०४
सेमिनार	२०			
निरंतर मूल्यांकन	२०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	३०			
छात्र की उपस्थिति	१०			
कुल अंक	१००	कुल अंक–१००	कुल–०४	कुल–०४

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन						
विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक	पाठ्य पुस्तक : आपका बंटी लेखिका : मन्नू भण्डारी प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.३०	२०	१	२०	
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		१०	१	१०	
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०४	१५	६०	
ड	टिप्पणियाँ		०२	०५	१०	

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.३० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के १०० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के १०० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल १०० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. स्त्रीवाद और महिला उपन्यासकार : डॉ. वैशाली देशपाण्डे – विद्या प्रकाशन, 'सी' ४४९ गुजैनी, कानपुर
२. महिला उपन्यासकार : डॉ. मधु सिंह – निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली
३. मार्क्सवाद और हिंदी उपन्यास : डॉ. एन. रवीन्द्रनाथ – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
४. वर्तमान हिंदी कथालेखन और दाम्पत्य जीवन : डॉ. साधना अग्रवाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
५. समकालीन महिला लेखन : डॉ. ओमप्रकाश शर्मा – पूजा प्रकाशन, इलाहाबाद
६. हिंदी उपन्यासों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. सुरेश सिन्हा – अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
७. हिंदी उपन्यासों में स्त्री अस्मिता की अभिव्यक्ति : डॉ. वीना रानी – अकादमीक प्रतिभा, दिल्ली
८. हिंदी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग – डॉ. त्रिभुवन सिंह – हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
९. हिंदी उपन्यास : डॉ. सुरेश सिंहा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श : जगदीश्वर चतुर्वेदी – अनामिका पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स लि. दिल्ली
११. स्त्री-पुरुषों के संबंधों का विमर्श : डॉ. उषा कीर्ति राणावत – साहित्य चन्द्रिका, जयपुर

Scanned by Camera Scanner

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम
(Ability Enhancement Course)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (AEC PAPER-05)
पाठ्यक्रम शीर्षक	पत्रकारिता एवं फीचर
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०१ | ०३ | ०६ | ०५ | ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०१:१५ घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन–CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन–SEE(५०%)	कुल अंक
०६	क्षमता संवर्धन	०२	५० अंक	५० अंक	५०

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :	**१. पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :**
➢छात्रगण पत्रकारिता का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकृति को विस्तार से समझे।	➢छात्रों पत्रकारिता का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकृति को विस्तार से जाना।
➢छात्रगण भारत में विकसित पत्रकारिता के इतिहास को विस्तृत समझे।	➢छात्रों ने भारत में विकसित पत्रकारिता के इतिहास को विस्तृत जाना।
➢छात्रगण पत्रकारिता की मुद्रण कला को भलिभाँति समझे।	➢छात्रों ने पत्रकारिता की मुद्रण कला को भी जाना।
➢छात्रगण भारत में विकसित मुद्रण तकनीक को भी जानें।	➢छात्रों ने भारत में विकसित मुद्रण तकनीक को भी जाना ।
➢छात्रगण पत्रकारिता पाठ्यक्रम पढ़कर वास्तविक जीवन की सच्चाईयों को समाज के सामने प्रस्तुत करें।	➢छात्रों ने प्रस्तुत पाठ्यक्रम पढ़कर वास्तविक जीवन की सच्चाईयों को समाज में लाने का प्रयत्न किया।
➢छात्रगण पत्रकारिता के संपादन और प्रस्तुतिकरण कला को विस्तार से जाने।	➢छात्रों ने पत्रकारिता के संपादन और प्रस्तुतिकरण कला को विस्तार से जाना ।
➢छात्रगण पत्रकारिता के अभ्यास के कारण समाज में जागरूकता पैदा कर सकते हैं।	➢प्रस्तुत पाठ्यक्रम पढ़कर छात्रों में समाज के प्रति जागरूकता का भाव पैदा हुआ।
➢पत्रकारिता पाठ्यक्रम पढ़कर जनहित भावना विकसित हो सकती है।	➢प्रस्तुत पाठ्यक्रम पढ़कर छात्रों में जनहित भावना विकसित हुई।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ					
३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ					
४. मूल पाठ्यक्रम	☐	गौण पाठ्यक्रम	☐	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	☐
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम	✓	मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम	☐	निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	☐
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम	☐	बहुविषयक पाठ्यक्रम	☐	अंत:विषयक पाठ्यक्रम	☐
६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ					
७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ					
८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ					
९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ					

विश्वास मानांक (Credit Value)	०२ (दो- Two)
कुल अंक (Total Marks)	महत्तम अंक : ५० अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + ५० अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = ५० अंक
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks)	लघुत्तम अंक : १८ अंक (आंतरिक–CCE ५० प्रतिशत) + १८ अंक (बाह्य–SEE ५० प्रतिशत) = १८ अंक

पाठ्य इकाई	पाठ्य–विषय	
इकाई–१	पत्रकारिता : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकृति	पत्रकारिता का उद्‌भव एवं विकास
	पत्रकारिता के प्रकार	मुद्रण तकनीक और फीचर लेखन
इकाई–२	फिचर : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं विकास,	पत्रकारिता में फीचर के प्रकार
	फीचर लेखन की विशेषताएँ	फीचर लेखन कला
इकाई–३	फीचर लेखन की तकनीकें	समाचार और फीचर में भेद
	फीचर लेखन कला फीचर लेखन का प्रारूप :	फीचर लेखन और लेख में अंतर

Scanned by Camera Scanner

	विषय प्रतिपादन या भूमिका, विषय-वस्तु की व्याख्या, निष्कर्ष	
इकाई-४	फीचर लेखन के प्रकार	फीचर की रचना और लेखन
	फीचर लेखन का वर्गीकरण : घटनामूलक फीचर, विशिष्टमूलक फीचर, व्यक्तिगत फीचर, स्थल आधारित फीचर, वस्तु आधारित फीचर, विचित्रता आधारित फीचर, चिन्ता आधारित फीचर	फीचर लेखन का उद्देश्य
टिप्पणियाँ	– फीचर लेखन की भाषा – फीचर लेखक के गुण – नागरिक पत्रकारिता और भाषा – फीचर लेखन अभिव्यक्ति के माध्यम – फीचर लेखन का भविष्य – साईबर पत्रकारिता की भाषा	

परीक्षण एवं मूल्यांकन

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन अंक(Contineous Comprehensive Evaluation-CCE) (केवल नियमित छात्रों के लिए)		सत्रांत मूल्यांकन (Semester End Evaluation-SEE) (नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी)	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
एसाईन्मेन्ट	१०	१० बहुवैकल्पिक प्रश्न × १ अंक = १० ०५ लघु उत्तरीय प्रश्न × १ अंक = ०५ ०२ आलोचनात्मक प्रश्न × १५ अंक = ३० ०१ टिप्पणियाँ × ०५ अंक = ०५	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०१ + सतत एवं व्यापक मूल्यांकन CCE के ०१	सत्रांत मूल्यांकन SEE के ०२
सेमिनार	१०			
निरंतर मूल्यांकन	१०			
सत्रांत आंतरिक कसौटी	१५			
छात्र की उपस्थिति	०५			
कुल अंक	५०	कुल अंक–५०	कुल – २	कुल–०२

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	बहुवैकल्पिक प्रश्न	२.००	१०	१	१०
ब	लघु उत्तरीय प्रश्न		०५	१	०५
क	आलोचनात्मक प्रश्न		०२	१५	३०
ड	टिप्पणियाँ		०१	०५	०५

पाठ्य पुस्तक : फिचर लेखन : स्वरूप और शिल्प
संपादक : मनोहर प्रभाकर
प्राप्ति स्थान : राधाकृष्ण प्रकाशन

नोट : ★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय १:१५ घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी को सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के ५० अंक में से प्राप्तांक के ५० प्रतिशत एवं सत्रांत कसौटी (विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) के ५० में प्राप्तांक के ५० प्रतिशत, इस प्रकार कुल ५० अंक में से प्राप्तांक रहेंगे।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी पत्रकारिता का बृहद इतिहास, अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन
२. हिन्दी पत्रकरिता : स्वरूप एवं संदर्भ, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन
३. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प, मनोहर प्रभाकर, राधाकृष्ण प्रकाशन
४. पत्रकारिता : विविध विधाएँ, डॉ. राजकुमारी रानी, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
५. पत्रकारिता मिशन से मीडिया तक, अखिलेश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
६. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता, डॉ. हरिमोहन
७. प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं पत्रकारिता, डॉ. दिनेशप्रसाद सिंह
८. संचार एवं पत्रकारिता के विविध आयाम, ओमप्रकाश सिंह,
९. हिन्दी पत्रकारिता, डॉ. पी. लता
१०. समाचार, फिचर लेखन और संपादन कला, डॉ. हरिमोहन
११. ई-जर्नालिज्म, डॉ. अर्जुन तिवारी

ई. संदर्भ ग्रंथ :

1. https://mu.ac.in/wp-content/uploads/2022/04/SYBA-Sem-IV-Hindi-Paper-No.-III.pdf

Scanned by Camera Scanner

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
कला संकाय : स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम
प्रशिक्षण
(Internship)
वर्ष – २०२३

पाठ्यक्रम कक्षा	स्नातक प्रमाणपत्र
विषय	हिन्दी
पाठ्यक्रम क्रमांक	प्रशिक्षण (Internship-01)
पाठ्यक्रम शीर्षक	प्रशिक्षण : शोध-परियोजना/प्रायोगिक प्रशिक्षण/रचनात्मक एवं आलोचनात्मक लेखन
पाठ्यक्रम का ईकाई क्रम	२३ | ०१ | ०३ | ०१ | ०३ | ०६ | ०१ | ०१
परीक्षा समयावधि	नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी : ०२:३० घण्टे

सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	विश्वास मानांक (क्रेडिट)	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन-CCE (५०%)	सत्रांत मूल्यांकन-SEE(५०%)	कुल अंक
०६	प्रशिक्षण	०४	-	-	१००

१. पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :	१. पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ (Course Outcomes) :
➢ छात्रों के ज्ञान एवं कौशल का आकलन करने के लिए शोध- परियोजना पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है ।	➢ छात्रों के ज्ञान एवं कौशल का आकलन शोध- परियोजना पाठ्यक्रम के अंतर्गत हुआ ।
➢ यह पाठ्यक्रम 'छात्रों ने स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है' ऐसा प्रमाणित करता है ।	➢ इस पाठ्यक्रम ने 'छात्रों ने स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है' ऐसा प्रमाणित किया गया ।
➢ छात्रों को प्रायोगिक कौशल की ओर जोड़ने का कार्य हो, जिस वजह से वह स्वयं रोजगार प्राप्त कर सके ।	➢ छात्रों को प्रायोगिक कौशल की ओर जोड़ने का कार्य हुआ जिस वजह से वह स्वयं रोजगार प्राप्त कर सके ।
➢ छात्रों को रोजगार की ओर उन्मुख करना ।	➢ छात्रगण रोजगार की ओर उन्मुख हुए ।
➢ हिन्दी पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण को सम्मिलित करना ।	➢ हिन्दी पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण को सम्मिलित किया गया ।
➢ छात्रों का व्यक्तित्व निर्माण किया जा सकता है ।	➢ छात्रों का उमदा, कर्मनिष्ठ व्यक्तित्व निर्माण हुआ ।
➢ छात्रों को वास्तविक जीवन की समस्याओं से जोड़कर उनमें उन समस्याओं का समाधान करने की सोच उत्पन्न करना ।	➢ छात्रों ने वास्तविक जीवन की समस्याओं को जानकर उन समस्याओं का समाधान करने की सोच उत्पन्न की गई ।

२. प्रस्तुत पाठ्यक्रम रोजगार/व्यवसाय/कौशल आधारित हैं ? – हाँ					
३. प्रस्तुत पाठ्यक्रम हस्तांतरणीय एवं जीवन कौशलमूलक मूल्य वर्धित है? – हाँ					
४. मूल पाठ्यक्रम		गौण पाठ्यक्रम		कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम	
क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम		मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम		निकासीय/व्यावसायिक पाठ्यक्रम	✓
५. समग्र शिक्षा पाठ्यक्रम		बहुविषयक पाठ्यक्रम		अंत:विषयक पाठ्यक्रम	
६. दिव्यांग के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत समुचित व्यवस्था है ? – हाँ					
७. नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP) के अनुसार पाठ्यक्रम है? – हाँ					
८. प्रस्तुत पाठ्यक्रम स्वयं (SWAYAM) सामूहिक मुक्त ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम (MOOC) है? – हाँ					
९. प्रस्तुत पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System-IKS) पर आधारित है ? – हाँ					

विश्वास मानांक (Credit Value) :	०४ (चार- Four)
कुल अंक (Total Marks) :	महत्तम अंक : १००
उत्तीर्ण अंक (Passing Marks) :	लघुत्तम अंक : ३६

पाठ्य इकाई	पाठ्य-विषय
शोध-परियोजना	पठित किसी भी हिन्दी साहित्यिक रचना को ले कर नवीन विषय/शीर्षक पर शोध-परियोजना तैयार करना ।
प्रायोगिक प्रशिक्षण	बैंकों/केन्द्र सरकार के कार्यालय/पाठशाला या अन्य शैक्षिक संस्थान में जाकर वहाँ की हिन्दी प्रचार-प्रसार की गतिविधियों को जानकर पचास पृष्ठों में हस्तलिखित लघु-शोध तैयार करना ।
रचनात्मक एवं आलोचनात्मक लेखन	कोई भी फिल्म या मंचस्थ नाटक पर आलोचनात्मक अहेवाल तैयार करना/ कहानी, उपन्यास, नाटक, काव्य आदि की हस्तलिखित स्वरचना करना/सामाजिक अथवा जातिगत समुदायों में जाकर भाषा संबंधित हस्तलिखित संशोधन करना ।
नोट : उपरोक्त तीन पाठ्य इकाई में से किन्हीं एक पाठ्य-इकाई के लिए छात्रों को संबंधित इकाई के अनुसार कार्य करना होगा ।	

Scanned by Camera Scanner

:: परियोजना (केवल उदाहरण के रूप में) ::

परियोजना शीर्षक/विषय :

१. छायावाद की विशेषताएँ एवं प्रमुख कवियों का परिचय
२. संत काव्य की विशेषताएँ
३. सूफी काव्य और उनकी विशेषताएँ
४. रामभक्ति काव्य एवं उनके प्रमुख कवि
५. कृष्ण भक्ति काव्य एवं उनके प्रमुख कवि
.....

परियोजना कार्यक्रम :

१. मुखपृष्ठ
२. विद्यार्थी का घोषणापत्र
३. प्रमाणपत्र
४. विषयसूची
५. आभारोक्ति
६. विषय परिचय
७. उद्देश्य
८. सीमांकन
९. विषय-विस्तार
१०. सदर्भ सूची

परियोजना मुखपृष्ठ :

परियोजना कार्य

शीर्षक

प्रस्तुतकर्ता :
छात्र का नाम :
अनुक्रमांक :
महाविद्यालय का नाम :

हस्ताक्षर निर्देशक
निर्देशक का नाम :

परियोजना घोषणापत्र :

छात्र का घोषणपत्र

मैं .....कक्षा ....., ... महाविद्यालय, ... एतद द्वारा घोषणा करता हूँ कि मेरे द्वारा .....के मार्गदर्शन में ..... भेजा गया परियोजना कार्य मेरा मौलिक कार्य है।

हस्ताक्षर
छात्र का नाम :
अनुक्रमांक :
महाविद्यालय का नाम :
दिनांक :

परियोजना प्रमाणपत्र :

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि ..... नामक परियोजना रिपोर्ट ..... (नाम) .....(कक्षा) ..... (महाविद्यालय) द्वारा प्रस्तुत की गई है, जो स्नातक सत्र-६ के पाठ्यक्रम परीक्षा का अंश है। यह इनका मौलिक कार्य है।

दिनांक : **प्राचार्य**

आंतरिक परीक्षक **बाह्य परीक्षक**

Scanned by Camera Scanner

आभारोक्ति :

मैं श्री/श्रीमती..... प्राचार्य, ... महाविद्यालय, ... के प्रति आभार व्यक्त करता/करती हूँ, जिनके मार्गदर्शन में यह परियोजना कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है।

मैं श्री/श्रीमती..... (निर्देशक का नाम), ... महाविद्यालय, ... के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता/करती हूँ, जिन्होंने विषय को समझाने और विस्तार देने में मेरी कदम-कदम पर सहायता की ।

मैं हर उस व्यक्ति के प्रति भी आभार व्यक्त करता/करती हूँ, जिन्होंने प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से इस परियोजना कार्य सफलतापूर्वक संपन्न करने में सहायक बने हैं।

हस्ताक्षर
छात्र का नाम :
अनुक्रमांक :
महाविद्यालय का नाम :
दिनांक :

Scanned by Camera Scanner